

MR. CHAIRMAN: When did I stop him from speaking? Why is he taking up this attitude? If he wants to speak, he may.

SHRI S. M. BANERJEE: We want each clause to be taken up separately.

MR. CHAIRMAN: Let him speak.

AN HON. MEMBER: What about the half hour discussion?

MR. CHAIRMAN: It will be taken up at 5.30 P.M. Shri Banerjee can begin.

SHRI S. M. BANERJEE: I would like to oppose clause 2..

MR. CHAIRMAN: He can continue tomorrow. After 5 P.M. Shri Banerjee should take some rest.

SHRI S. M. BANERJEE: I rise on a point of personal explanation. I have never cast any aspersion on you. You are one of the most respected persons. After so much work, I feel tired. You are older than me.

—  
17.30 hrs.

HALF-AN-HOUR DISCUSSION  
REVISION OF PAY-SCALES IN  
KHADI GRAMODYOG BHAWAN  
NEW DELHI

श्री चन्द्रिका प्रसाद (बलिया) : सभापति महोदय, प्रश्न संख्या 3293 के संदर्भ में मंत्री महोदय को वास्तविकता से परिचित नहीं कराया गया था जिससे कि उनका जवाब आधार-रहित और तथ्य-रहित है। पहला प्रश्न था कि क्या खादी भवन के कर्मचारियों को 30 और 40 रुपये वैसिक सेलरी मिल रही है? प्राप्ते कहा कि —नो सर। मेरे पास पन्द्रह आदमियों का नाम हैं जो कि मैं सभा पटल पर रखने की तैयार हूँ जिनको कि 30 से लेकर 35 और 36 रुपये तक की तनखाह मिलती है। दूसरा प्रश्न था कि खादी कमीशन के ट्रेडिंग विभाग में सेकेंड पे कमीशन की सारी सुविधाएं

उनको दी गई हैं, लेकिन यह भी तथ्य-रहित है। वहां पर डीप्रलेसे पे एलाउंस उनको नहीं नहीं दिया गया है और सेकेंड पे कमीशन की रिपोर्ट 1963 से लागू है, अब तक यह नहीं दिया गया। खादी कमीशन के अन्दर कमीशन का कहना है कि हमारे यहां दो तरह के कर्मचारी हैं—एक ट्रेड ऐक्टिविटीज में और एक रेगुलर। ट्रेड ऐक्टिविटीज में वह कर्मचारी हैं जो कि दौड़-धूप करते हैं, बिकी करते हैं, रंगाई का काम करते हैं, उत्पादन के केंद्रों में जाते हैं और उनकी मेहनत और उनकी कमाई पर खादी भवन कई लाख का फायदा करता है। तो जो काम करने वाले हैं, जिन के श्रम, जिनकी मेहनत और जिनकी बुढ़ि से लाभ होता है उनको कम दिया जा रहा है, उन्हें नुकसान पहुँचाया जा रहा है और जो लोग कुछ काम नहीं करते हैं उनको रेगुलर किया गया है। 1963 से सेकेंड पे कमीशन की रेकमेंडेशन लागू है। हमारा कहना है कि जब कि पे स्केल रेगुलर एम्प्लाईज का 30 रुपये से 70 रुपये कर दिया गया तो खादी कमीशन द्वारा उनका स्केल जो ट्रेडिंग ऐक्टिविटी में है 30 से बढ़ाकर 70 कर दिया जाना चाहिए और उनको रेगुलर एम्प्लाई मानना चाहिए। साथ ही डीयरनेसे पे एलाउंस भी उनको मिलना चाहिए।

दूसरी बात यह है कि यहां पर आपके खादी भवन में एक ऐडवाइजरी कमेटी बनाई गई है। हमारी सरकार का मंशा है कि वर्कर्स का पार्टिसिपेशन ऐनेजमेंट में दिया जाना चाहिए, प्रबन्ध समिति में कर्मचारियों को रखा जाना चाहिए। वहां पर एक सकाल आया था कि ऐडवाइजरी कमेटी में कौन-कौन लोग

## [श्री चन्द्रिका प्रसाद]

हैं तो उसमें सिर्फ़ एक नाम आया—युद्धवीर सिंह कोई हैं जो उमके चेयरमैन हैं और वाको और किसी मेम्बर का नाम नहीं दिया गया और न कभी उसकी मीटिंग होती है। दुनिया भर के हर एक कामों में वह बाधा डालती है। कर्मचारियों का कोई प्रतिनिधि उसमें नहीं है। खादी भवन में एक बार 21 हजार की चारी हुई। फर्स्ट मई, 1972 को 21 हजार रुपये गायब हुए, तब से आज तक सोए हुए हैं तो यह हालत है कि जो भजदूर काम करने वाला है, श्रम करता है, बुद्धि लगाता है उसको तो कोई देखने वाला नहीं है, उसका कोई ठिकाना नहीं है, उसे कलास कोर एम्प्लाई करके रखा गया है। (ध्यवधान) मैं मे खत्म कर रहा हूँ।

**सभापति महोदय** इसमें केवल तीन ही व्याइंड्स हैं। पे स्केल है, डीआरनेस एलाउस है, नान-पेमेट आफ़ थ्रेच्यूटी है। उसी पर आप बोलिए। ज्यादा आगे मत जाइए।

**श्री चन्द्रिका प्रसाद** सेकेड पे कमीशन की बात को ही मैं ला रहा था। यह पर कहा है।

"The Commission has decided to adopt different scales of pay in respect of staff engaged in trading activities but allowances and other benefits are the same as admissible to regular employees of the Commission to whom the recommendations of the Second Pay Commission have been made applicable except in the case of contributory provident fund."

तो हमारा वह कहना है कि सेकेड पे कमीशन ने जो कहा है कि अदर बेलीफिट देने हैं वह भी उन की नहीं दे रहे हैं और ट्रेडिंग ऐक्टिविटीज में जो काम करने वाले हैं उन के स्केल

में तथा रेगुलर जो हैं उनके स्केल में जमीन आसमान का अन्तर है जब कि काम करने वाले वहो हैं। तो हमारा यही कहना है कि सेकेड पे कमीशन की रिपोर्ट 1963 से लागू है, उसमें रेगुलर एम्प्लाईज के लिए 30 से 70 रुपये हुआ वह इनको भी मिलना चाहिए और डियरनेस इनको 1963 से मिलनी चाहिए। इसके अलावा जो कर्पशन हैं, छल्टा-चार है, उसके अन्दर जो वर्कस का पार्टिस-पेशन मैनेजमेंट में नहीं है उसके लिए एक पार्लियामेट्री कमेटी बनाई जाय जो सारी चीजों की जाच करे, कर्मचारियों को न्याय दिलावे और सेकेड पे कमीशन की तिफारियों को इम्प्लाईट करावे।

**SHRI ARJUN SLI III (Bhadrak)**  
I want to seek the following clarifications from the hon Minister. Why the Commission has decided to pay different pay scales in respect of the staff engaged in trading activities and why they are not being considered at par with other employees although they belong to the same institutions? What are the difficulties of the Government to treat these employees as regular employees and make their service conditions similar to the other employees of the Commission? These are clarifications that I seek from the hon Minister.

**डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय (मदसौर)**

सभापति जी, खादी आमोद्योग भवन के या खादी आमोद्योग कमीशन के कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रकार के बेतनमान हैं, विभिन्न प्रकार की उनकी अरिया है जो मत्री महोदय ने प्रश्न के उत्तर में स्वयं स्वीकार किया है। वहां पर एक तो ट्रेडिंग में काम करने वाले हैं, दूसरे रेगुलर हैं। मैं जानता चाहूँता हूँ कि खादी आमोद्योग भवन एक व्यापारिक संस्था

है, उनका सारे का मारा कार्य एक द्रेड है। रेग्लर कर्मचारियों में और ट्रेडिंग कर्मचारियों में यह ऐद क्यों है? और रेग्लर को अधिक और ट्रेडिंग में काम करने वालों को कम बेतनान दिया जाना कहा तक सगा है?

दूसरे, क्या यह सही है कि अब तक वहा पर इस प्रकार के कर्मचारी हैं नवभग 41 जिनकी सख्त्या है जिन्हे आज भी 30 और 40 रुपये के बीच में ही बेतन मिलता है? उनको न्यूनतम बेतन की जो सुविधा मिलती चाहिए वह नहीं मिल रही है।

एक और प्रश्न मैं करना चाहूँगा कि क्या खादी आमोद्योग भवन के तथा खादी आमोद्योग बमीशन से सम्बन्धित कर्मचारियों के लिए क्या वे सभी डिस्ट्रियन लाज लागू हैं क्योंकि यह एक उद्भूती है जो डिस्ट्रियल वर्कर्म वे लिए लागू होने चाहिए और वे सभी सुविधाएं प्रेस्ट्रुटी, प्राविडेट फड़ और बानम इत्यादि की सुविधा ए क्या उन्हे मिल रही है और नहीं मिल रही है तो शामन ढारा महायता या अद्वितीय प्राप्त इम सस्थान के अन्दर वे सभी सुविधाएं मिले असमानता समाप्त हो इसके बारे से शामन ने कोन से कदम उठाए है और नहीं क्या कार्यवाही की है? आज भी इम सस्थान से सम्बन्धित कर्मचारियों की स्थिति अन्यन्त दृष्टियोगी है।

श्री मूलचन्द डागा (पाली) अपने खादी घर के अन्दर यह गडबड कैसे चल सकती है क्यों कि सारा हमारा मामला ही खादी घर से शुरू हुआ। खाली यह है कि आज भी क्या वहा के कर्मचारियों को 60 रुपये मासिक बेतन मिलता है।

एक सदस्य 40।

श्री मूलचन्द डागा 40 से शुरू किया है 60 तक मिलता है (ध्येयवान) .. 30 भी मिलता है। तो क्या यह यूनतम बेतन आज के जमाने में जीवन निर्वाह के लिए काफी है?

दूसरा मेरा प्रश्न है कि यह आप के यहा पर ट्रेडिंग स्टाफ कितने अरसे में रेग्लर काम कर रहा है और फिर भी आप उस को रेग्लर स्टाफ की तुलना में कम क्यों देते हैं और उनसे उन को अलग क्या किया हुआ है?

दूसरी बात यह है कि बेतन आयोग की सिफारिशों के अधार पर आप उन को पगार और अन्य सुविधाएं क्यों नहीं देते हैं?

तीसरा मवाल—जो भी वहा पर एल डी सी, यू डी सी की ननडाओंहों में और रेग्लर स्टाफ की तछाहो में बहुत बड़ा अनार है वह अन्नर वैसे कम किया जा सकता है और यह क्या नहीं किया जाता है?

इनके प्राप्ति लेडवाइजरी कन्ट्री जिस के अन्दर मजदूरों का प्रतिनिधित्व न हो, कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व न हो वह कंसे चल सकती है?

श्री मूलचन्द कल्याणी: (मुरैना) मैं मत्री महोदय से जानना चाहता हूँ कि क्या वे जो कर्मचारी काम करते हैं। इन्होंने कोई आपन आप को दिया है और यदि दिया है तो उस की मुख्य मुख्य मांगे क्या हैं?

दूसरे मैं जानना चाहता हूँ कि समान बेतन हो आज की महार्टी को देखते हुए सारे देश भर में क्योंकि खादी आमोद्योग को आप छह बड़ी माला में वैसा देते हैं लेकिन हर एक प्रदेश

## [भी हुक्म बन्द कदम्बाय]

मेरे वेतन मरण स्तर का है वो सभी प्रदेशों के अन्दर वेतन ठीक प्रकार का हो, सभान बतन हो जो आन्य जगहों में है, उस के लिए क्या कोई ऐसी परिस्थिति निश्चित करना चाहते हैं? यदि कमीशन नहीं मानता है तो उत को दी जाने वाली जो मदद है उसे आप बन्द करने को तैयार है जब तक वे इस बात को पूरा नहीं करते हैं?

तीव्रो बात—यहाँ दिल्ली का जो खादी भवन है, उस मे प्रशासन व्यवस्था के लिये एक कमेटी बनाई गई था उस मे किसी भी कर्मचारी को नहीं लिया गया जब कि ऐसा बतन दिया गया था।

सभारति भट्टोदय आज के सवाल मे यह सवाल नड़ी है।

भी हुक्म बन्द कदम्बाय फिर फिर मे आयेगा।

सभारति भट्टोदय जब भी आये लेकिन इस मे नहीं है।

भी हुक्म बन्द कदम्बाय मे निवेदन कर रहा था कि इप कमेटी मे हर प्रकार की कठिनाई पर विवार करने के लिये किता। भी कर्मचारी को नहीं लिया गया।

खादी आमोदीग कीमत एक परिवर्तन खाना है जिस मे सब से अधिक भ्राताचारी और बैहमानी है। केंद्र सब से अधिक पैसा इस को देती है देश की सारी सम्पत्ति इस मे खन्म होती है नेकिन यहाँ के जो कर्मचारी हैं उन की ठीक प्रकार का वेतन नहीं जितता। ऐसी स्थिति मे क्या सरकार इस के लिये कोई कदम उठायगी, यदि हाँ, तो कब तक इस का निर्णय लेंगी?

श्रीकोलिक विकास भवनालय मे उद्यमी ( श्री सिंहेश्वर प्रसाद ) माननीय सभापति महोदय अभी माननीय सदस्य श्री हुक्म बन्द कठबाय के खादी आमोदीग कमीशन मे जो कर्मचारी काम कर रहे हैं उन के ऊपर जो आरोप लगाया है, वह सर्वथा तिराप्पार है। खादी आमोदीग कमीशन के कार्यकर्ता बड़ी निष्ठा और कठिन परिस्थितियों मे काम कर रहे हैं।

भी रामायति शास्त्री : (पटना) इन्होंने वहा के व्यवस्थापको के लिये कहा है।

भी हुक्म बन्द कदम्बाय : जुनाव मे काम करने वाले वहा घस जाते हैं—वह परवरिक खाता है।

सभारति भट्टोदय सभी मैम्बरो ने एक एक ही सवाल पूछा है—आप उन की पे के बारे मे कहिये।

डा० लक्ष्मीनारायण पाठ्येय क्या यह व्यापारिक मस्तान है? यदि व्यापारिक सस्थान है तो वहा पर दो प्रकार की श्रेणीया बद्ध रखी है? और न प्रकार के बिन्द्र वेतनमान है जिसके कारण एक प्रकार के कर्मचारियों को न प्रत्यन्त वेतन भी नहीं मिलता है।

भी रामायति शास्त्री : मजदूरो के बारे मे कहिये लेकिन प्रबन्धक मजदूर नहीं हैं व्यवस्था।

भी सिंहेश्वर प्रसाद : अभी आपने श्री कठबाय जी को ध्यान से सुना होता तो इस प्रकार की चर्चा नहीं होती।

मैं निवेदन कर रहा था कि जहाँ तक खादी लया आमोदीग भवन, दिल्ली का सवाल है, इस मे जो कर्मचारी काम करते हैं—प्रबन्ध उन के वेतन के सम्बन्ध मे था

बेतन-मान के सभ्यता मे नही था । उन्होंने पूछा था कि उन का उड़ाना बेतन नही है, जितना कि ऐसे प्रश्न के उत्तर मे कहा था वहां जो कर्मचारी काम करते हैं उन को सब मिला कर न्यूनतम 147 रुपये 50 पिंडने है . . .

श्री मूलबद्ध डागा यह महगाई भता समेत है बेतन नही है । उन का बेतन क्या है ?

श्री हुक्म चन्द्र कक्षाय : उन का मूल बेतन क्या है । इस म महगाई मन जोड़िये । उन को इनना कम बेतन मिलता है, कि आप का कुना भी उस म ज्यादा खा जाता है । सभापति महादय ये मदन को गुमराह कर रहे हैं महगाई जोड़ कर बना रहे हैं, इस से लोगो मे भ्रम फैलेगा ।

श्री सिंहेश्वर प्रसाद सभापति जी, मैंने आकड़े दिये है

श्री हुक्म चन्द्र कक्षाय : उन को 40 रुपये से भी कम मूल बेतन मिल रहा है ।

श्री सिंहेश्वर प्रसाद यहा पर प्रश्न कुन बेतन का है । यदि प्रश्न बेतन-मान का भी हो तो भी यदि अ न मेरी बात मुझ ने ग तो यह प्रश्न पैदा नही होगा । यह मही है कि बहा जो कर्मचारी काम करते हैं उन का बेतन-मान 30 रुपये 50 पैसे है लेकिन इस के अनावा कर्मचारियो को जो राशि मिलती है वह सब मिला कर न्यूनतम बेतन प्रा पै-पेट 147 रुपये 50 पैसे होना है ।

डा० लक्ष्मी नारायण पांडेय : जो ट्रैडिंग कर्मचारी मान जाते हैं, आज उन का भी कम से कम 170 रुपये मिले इष्ट नेतृ कौन सी कार्यवाही कर रहे हैं ? आज उन्हे बहुत शोडा बेतन मिल रहा है ।

श्री सिंहेश्वर प्रसाद : आप मेरी बात सुन ले दिये । इसरी बात किस की तरफ मैं भावनों सदस्यो का व्याप आकृष्ण करना चाहता हू वह यह है कि खादी कमीशन और खादी भवन दोनो एक हो जाए नही है । वहां जो काम करने वाले लोग हैं उन का काम दूसरे ढाग का है । खादी भवन एक ऐसी मन्दा है जो दूसरी व्यापारिक मस्थाप्त्रो से भिन्न है । उन का काम करने का ढाग दूसरा है वहां जो कर्मचारी चुने जाते हैं वे इसरे आधार पर चुने जाते हैं—इसलिये उन का अलग बेतन-मान है . . .

(व्यवसाय) जहा तक खादी कमीशन का मदाल है

श्री चन्द्रिका प्रसाद : खादी कमीशन मे दो नाइ को फैटेगरी बना दी है, वहां अद्भाव हो रहा है ।

श्री सिंहेश्वर प्रसाद : जहा तक भवन का मदाल है—खादी भवन के कर्मचारियो का बेतन-मान होता चाहिये, इनके लिये खादी कमीशन ने पार कमेटी बनाई थी, उम कमेटी ने अपनी रिपोर्ट दे दी है । मुझे पूँछ विश्वास है कि मदन मे जो चर्चा हुई है और अभी जा परिवर्तित है इन सारी बातो को ध्यान मे रख कर खादी भवन मे जो कर्वन रो काम करना है उन के बेतन-मान के म ग्रा मे उपुक्त और उच्चन फैपना शीघ्र म शीघ्र किया जायेगा

श्री मूल चन्द्र डागा ममापति जी, ये प्रश्न का उत्तर नही दे रहे है । ट्रैडिंग स्टाफ और रेन्युर एन्ड न मे कहने है ।

श्री सिंहेश्वर प्रसाद : जहा तक बेतन आयो की तिकारियो का सञ्चाल है— खादी कमीशन एक ऐसी मन्दा है जो दुर्दक के लिये काम करने वालो मन्दावो पर जो तिक्ष्ण लागू होते हैं, वे इन पर लागू नही होते हैं ।

[**श्री सिद्धेश्वर प्रसाद**]

आप को पता है कि खादी कमीशन में काम करने वाले लोगों में—जो सर से जबाबद बेतन दिया जाता है और जो सब से कम बेतन दिया जाता है, उस में कम से कम फर्क रखने की कठिनीश की जाती है.....

**श्री रामाचलन शास्त्री :** क्या फर्क है, किनना फर्क है?

**श्री सर्वानंद भहोदय बीच में इटरेट मत कीजिये।**

**श्री हुक्म चन्द्र कछवाय :** आदर्शीय सभापति जी, ये जान-बूझ कर सदन को गुमराह कर रहे हैं।

**श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :** इन नव बानों को ध्यान में रख कर खादी कमीशन ने जो फैसला किया है, उस का उल्लेख मैंने अभी किया है—खादी भवन में काम करने वाले कर्मचारियों के बेतन मान के बारे में रिपोर्ट आ चुकी है और इन भारी बातों पर फैसला किया जायगा।

जहाँ तक दूसरा प्रश्न उठाया गया है—जिसकी ओर माननीय सदस्यों ने अभी ध्यान आकृष्ट किया है—जब तीसरे बेतन आयोग

की रिपोर्ट मिलेगी तो हब उम्मीद भरते हैं खादी कमीशन उन सारी बातों को ध्यान में रख कर और माननीय सदस्यों ने जो बातें उठाई हैं, उन को भी ध्यान में रखकर उन सिफारिशों पर भी विचार करेगा। जो चर्चा इध समय उठाई गई है और जो वक्तव्य मैंने दिया है, उस के बाद मैं उम्मीद करता हूँ कि हम एक-ऐसा उपचुक्त वातावरण बना सकेंगे जिससे खादी भवन के कर्मचारी सही ढग से और मतुज्ञ हो कर काम कर सकेंगे। यदि ऐसी कोई और धिकायत माननीय सदस्य हमारे ध्यान में लायेंगे तो मैं खादी कमीशन से उन पर विचार करने के लिये कहूँगा।

17 49½ hrs

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE  
TWENTY-SECOND REPORT

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND SHIPPING AND TRANSPORT (SHRI RAJ BAHDADUR) Sir, I beg to present the Twenty-second Report of the Business Advisory Committee

17 50 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Eleven of the Clock on Thursday, December 21, 1972/Agrahayana 30, 1894 (Saka).